1874. = Damajantikathâ 1,4 in Verz. d. Oxf. H. No. 208.

1878. — Каунтамятак. 36. с. राजानम् st. मर्तारम्. d. प्रजाः स्युरतिद्वःखिताः.

1880. — Ка̀ṇ. 47 bei Weber (b. स्वभाव st. ন্রাব). Vrddна-Ка̀ṇ. 14,15 (b. स्वभाव). Кауіта̂мятак. 97.

1885. = Рильяй блин. 9, b (а. ततो नवादयगुणं मानाभिलाषं st. मनाग °. b. म्रय प्रश्नष्ट st. मनु प्रत्यस्त. с. निर्भर्तर् चीराप्रगल्भं а. निःसंगागविमर्शनाधिक °). Славах. 64 (а. रसं st. सूखं).

1894. Çатака́v. 24. d. नित्यश: st. सर्वश:.

1896. Çатака̂v. 6. d. द्व: ді st. द्व: स्यं.

1900. Vgl. Spruch 4948.

1903. Çатака́v. 105. а. कर्ल्पं स्थितास्तनुभृतां तनवस्ततः किम्

1916. Çатака́v. 65. с. Richtig ohne ति.

1921. Z. 2. Schalte lieben vor Freunde ein.

1922. Buarte. 2,27 lith. Ausg. III. c. स्तेयं st. स्थियं.

1926. Lies gutes Betragen statt gute Werke.

1949. a. बलविद्यम्हीतस्त Comm. zu Kam. Niris.

1954. Saskja Pandita VI, Cloka 11:

## सर 'र्च ' महिन ' र्ड 'र्ज़े स्त्रुव ' व । । १७ म खुर नी भण्ड 'र्ज़े 'र्ज़्व हे स्त्रुव । स्त्रिम खुर मी स्त्रुव 'स्त्रे स्त्रुव । स्त्रिम खुर मी स्त्रुव 'स्त्रे स्त्रुव । स्त्रिम खुर मी स्त्रुव 'स्त्रे स्त्रुव ।

Viele, wenn auch Schwache, können, wenn sie einmüthig sind, Grosses vollbringen; man sagt, dass eine Ameisenschaar, nachdem sie sich gesammelt, ein Löwenjunges getödtet habe.

1957. Vgl. Spruch 4623.

1959. = Vярона-Ка́р. 6,20. b. सुनिद्रा लघुचेतनः с. स्वामिभक्तद्य. d. घंडेते द्यानता गुणाः. Im ÇKDa. u. बद्धाशी wie bei uns.

1965. Çатакау. 10. b. मम st. मिय.

1966. c. ਕੀਵਰ ist hier Unbesonnenheit, Thorheit der Jugend.

1983. Vgl. Spruch 3455.

1987. b. शास्त्रस्य निर्णयः d. यवासंच्यवकार्वान् Comm.

1988. ÇKDa. u. बाद्घा. c. ख्रज्ञानापट्ता . Lies Beredsamkeit st. Beredtsamkeit.

1990. R. ed. Bomb. 4,34,12. a. गान्ने चैव st. ब्रह्मन्ने च. c. सिद्धः st. राजन्

1991. Внактя. 3,13 lith. Ausg. III. b. भाड्यपि धनमेकांतता. с. दृटप्रत्यया. а. पर्ि-गृह्णायपि.